



الزمره/Ref SPM-274

تاریخ/Date 11-10-2025

हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद साहिब ने रब्बह, पाकिस्तान में अहमदिया मस्जिद पर हुए आतंकवादी हमले के बाद पीड़ितों के लिए दुआ की।

पंजाब (पाकिस्तान) सरकार और उसके मुख्यमंत्री दावा करते हैं कि पंजाब में अपराध पर सौ प्रतिशत नियंत्रण कर लिया गया है और अब कोई अपराधी बाकी नहीं है। फिर भी, अहमदियों पर बार-बार होने वाले हमले — उनका शहीद किया जाना, घायल किया जाना, या उनकी संपत्तियों को आग लगाना — शायद अपराध की श्रेणी में गिने ही नहीं जाते।” — हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद साहिब

शुक्रवार, 10 अक्टूबर 2025 को, हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद साहिब, अहमदिया मुस्लिम समुदाय के विश्वव्यापी प्रमुख, ने पाकिस्तान के रब्बह में स्थित बैतुल महदी मस्जिद में इबादत कर रहे अहमदी मुसलमानों पर हुए आतंकवादी हमले के संबंध में संबोधित किया। यह हमला उसी दिन सुबह हुआ था।

प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, एक हथियारबंद हमलावर ने मस्जिद के बाहर खड़े अहमदिया मुस्लिम समुदाय के उन सदस्यों पर गोलीबारी की जो उपासकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्वयंसेवा कर रहे थे। कई अहमदी मुसलमानों पर गोली चलाई गई और वे घायल हो गए। कम से कम दो अहमदी मुसलमानों को गंभीर चोटें आईं, जबकि अन्य को अपेक्षाकृत कम गंभीर चोटें लगीं। सुरक्षा कर्मियों ने हमलावर को मस्जिद में प्रवेश करने और और अधिक निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने से पहले ही मौके पर मार गिराया।

यह हमला पाकिस्तान में अहमदिया मुस्लिम समुदाय के खिलाफ लंबे समय से जारी संगठित और व्यवस्थित उत्पीड़न के इतिहास के बीच हुआ है, जहाँ भेदभावपूर्ण कानूनों के तहत समुदाय के सदस्यों को बुनियादी नागरिक और धार्मिक अधिकारों से वंचित किया गया है। अहमदी मुसलमानों को कानूनी रूप से अपने आप को मुसलमान कहने या खुलेआम अपने धर्म का पालन करने से रोका गया है और वे अक्सर नफ़रत पर आधारित अभियानों और हिंसक हमलों का निशाना बनते हैं।

हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद साहिब ने फ़रमाया:

“आज रब्बा में गोल बाज़ार स्थित बैतुल महदी [मस्जिद] में आतंकवादियों ने हमला किया, जिसमें हमारे पाँच या छह सदस्यों को चोटें आईं। उनमें से दो की हालत नाज़ुक है और उनका ऑपरेशन चल

रहा था। अल्लाह तआला उन्हें पूरी और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करे और सभी घायल हुए लोगों पर अपना विशेष अनुग्रह और रहमत नाज़िल फरमाए। दो गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को पेट में गोली लगी। हमारे सुरक्षा कर्मियों द्वारा एक आतंकवादी को मार दिया गया। अब तक यही रिपोर्ट प्राप्त हुई है; और विवरण अभी आना बाकी हैं।”

घटना का विवरण देने के बाद, हज़ूर अनवर (अय्यदहुल्लाहु तआला बिनसिहिल अज़ीज़) ने उन समुदाय के सदस्यों के लिए दुआ की जो अपने ईमान की सेवा करते हुए घायल हुए और पंजाब सरकार से न्याय को कायम करने तथा प्रांत में अपराध के पूरी तरह समाप्त हो जाने के खोखले दावों की बजाय सभी नागरिकों की सुरक्षा की अपनी ज़िम्मेदारी निभाने की अपील की।

हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद साहिब ने फ़रमाया:

“अल्लाह तआला बहुत जल्द उन आतंकवादियों, क़ानून तोड़ने वालों और जमाअत के मुखालिफ़ीन को उनके अंजाम तक पहुँचाए। पंजाब सरकार और उसके मुख्यमंत्री दावा करते हैं कि पंजाब में अपराध सौ फ़ीसदी क़ाबू में है और अब कोई अपराधी बाक़ी नहीं रहा। लेकिन अहमदियों पर बार-बार होने वाले हमले — जिनमें उन्हें शहीद किया जाता है, घायल किया जाता है या उनकी संपत्तियों को आग के हवाले किया जाता है — शायद इन अपराधों में गिने ही नहीं जाते।

अल्लाह तआला इन सरकारों को समझ और हिदायत दे और बहुत जल्द वह अपने निशानात जमाअत के हक़ में ज़ाहिर फरमाए।”

अपने जुमा के ख़ुत्बे के आरंभ में, हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद साहिब ने उन घटनाओं के एक सिलसिले पर गौर फ़रमाया जो हज़रत मुहम्मद मुस्तफ़ा (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) की फ़तह मक्का के बाद मदीना वापसी के दौरान घटित हुई। ये घटनाएँ इस बात की याद दिलाती हैं कि हज़रत मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) की रहमत और करुणा बेमिसाल थी और यह आज भी जमाअत को इस बात की हिदायत देती हैं कि मुसीबतों और दुश्मनी का सामना किस तरह अमन और माफ़ी के उसूलों पर डटे रहकर किया जाए।

रब्वह, जो पंजाब (पाकिस्तान) प्रांत में स्थित है, पाकिस्तान में अह्लदिया मुस्लिम जमाअत का प्रशासनिक मुख्यालय है।



Tariq Ahmad K

Incharge Press & Media,
Ahmadiyya Muslim Jama'at India.